घोरकष्टोद्धरण स्तोत्र – Ghorkashtodharan Stotra in Marathi संपूर्ण पाठ, Transliteration व हिंदी अर्थ

🔱 श्लोक १

मूल संस्कृत:

श्रीपाद श्रीवल्लभ त्वं सदैव ।
श्रीदत्तास्मान्पाहि देवाधि देव ।
भावग्राह्य क्लेशहारिन्सुकीर्ते ।
घोरात्कष्टादुद्धरास्मान्नमस्ते ॥१॥

Transliteration:

hripad Shrivallabha tvam sadaiva |
Shridattasmanpahi devadhi deva |
Bhavagrihya kleshaharin sukirte |
Ghorat kashtaduddhrasman namaste ||1||

हिंदी अर्थ:

हे श्रीपाद श्रीवल्लभ! हे श्री दत्त! आप सदा हमारे रक्षक हैं। हे देवों के भी देव! हमारी रक्षा कीजिए। आप भक्त के भाव को ग्रहण करने वाले, कष्टों को हरने वाले और सुंदर कीर्तिवाले हैं। हे प्रभु! हमें इस घोर कष्ट से उद्धार करें – आपको हमारा नमस्कार है।

Meaning In Marathi:

हे श्रीपाद श्रीवल्लभ! हे श्री दत्त! तुम्ही सदैव आमचे रक्षक आहात. हे देवाधिदेव! आमचे रक्षण करा. तुम्ही भक्ताच्या भावाने प्रसन्न होणारे, क्लेश हरण करणारे व सुकीर्तीवंत आहात. आमचे या घोर कष्टातून उद्धार करा – आपणास नमस्कार असो.

🔱 श्लोक २

मूल संस्कृत:

त्वं नो माता त्वं पिताप्तोऽधिपस्त्वं ।
त्राता योगक्षेमकृत्सदगुरूस्त्वं ।
त्वं सर्वस्वं ना प्रभो विश्वमूर्ते ।
घोरात्कष्टादुद्धरास्मान्नमस्ते ॥२॥

Transliteration:

Tvam no mata tvam pitapto'dhipas tvam |
Trata yogakshemakrit sadgurus tvam |
Tvam sarvasvam na prabho vishvamurte |
Ghorat kashtaduddhrasman namaste ||2||

हिंदी अर्थ:

हे प्रभु! आप ही हमारी माँ हैं, आप ही पिता हैं, आप ही हमारे प्रियजन और स्वामी हैं। आप ही हमारे रक्षक हैं, हमारा योगक्षेम (कल्याण) करने वाले हैं और सच्चे सद्गुरु भी आप ही हैं। हे विश्वरूप प्रभु! आप ही हमारा सर्वस्व हैं। हमें इस घोर कष्ट से उद्धार करें – आपको नमस्कार है।

Meaning In Marathi:

हे प्रभो! तुम्हीच आमची माता आहात, तुम्हीच पिता आहात, तुम्हीच आमचे आप्त व स्वामी आहात. तुम्हीच आमचे रक्षक आहात, योगक्षेम करणारे व सद्गुरू आहात. हे विश्वमूर्ते! तुम्हीच आमचे सर्वस्व आहात. आमचे या घोर कष्टातून उद्धार करा – आपणास नमस्कार असो.

🔱 श्लोक ३

मूल संस्कृत:

पापं तापं व्याधिंमाधिं च दैन्यं ।
भीतिं क्लेशं त्वं हराऽशुत्व दैन्यम् ।
त्रातारं नो वीक्ष ईशास्त जूर्ते ।
घोरात्कष्टादुद्धरास्मान्नमस्ते ॥३॥

Transliteration:

Papam tapam vyadhim adhim cha dainyam |
Bhitim klesham tvam harasu tva dainyam |
Trataram no viksha ishaasta jurte |
Ghorat kashtaduddhrasman namaste ||3||

हिंदी अर्थ:

हे प्रभु! हमारे पाप, ताप, शारीरिक रोग, मानसिक व्याधि, दीनता, भय और क्लेश – इन सबको आप शीघ्र दूर कीजिए। हे ईश्वर! हमें कोई और रक्षक नहीं दिखता – हम केवल आपकी ओर देखते हैं। हमें इस घोर कष्ट से उद्धार करें – आपको नमस्कार है।

Meaning In Marathi:

हे प्रभो! आमचे पाप, ताप, शारीरिक व्याधी, मानसिक वेदना, दारिद्र्य, भय आणि क्लेश – हे सर्व तुम्ही लवकर दूर करा. हे ईशा! आम्हाला कोणी रक्षक दिसत नाही – आम्ही फक्त तुमच्याकडे पाहतो. आमचे या घोर कष्टातून उद्धार करा – आपणास नमस्कार असो.

🔱 श्लोक ४

मूल संस्कृत:

नान्यस्त्राता नापि दाता न भर्ता ।
त्वतो देव त्वं शरण्योऽकहर्ता ॥
कुर्वात्रेयानुग्रहं पुर्णराते ।
घोरात्कष्टादुद्धरास्मान्नमस्ते ॥४॥

Transliteration:

Nanyas trata napi data na bharta |
Tvato deva tvam sharanyo'ka harta |
Kurvatreya anugraham purnarate |
Ghorat kashtaduddhrasman namaste ||4||

हिंदी अर्थ:

हे देव! आपके अतिरिक्त न कोई हमारा रक्षक है, न दाता है और न भरण-पोषण करने वाला। आप ही शरण देने योग्य हैं और कष्टों को हरने वाले हैं। हे अत्रिनंदन दत्त! हम पर अपनी पूर्ण कृपा करें। हमें इस घोर कष्ट से उद्धार करें – आपको नमस्कार है।

Meaning In Marathi:

हे देवा! तुमच्याशिवाय आमचा कोणी रक्षक नाही, दाता नाही, भरणपोषण करणाराही नाही. तुम्हीच शरण्य आहात आणि संकट हरण करणारे आहात. हे अत्रिपुत्र दत्त! आमच्यावर पूर्ण अनुग्रह करा. आमचे या घोर कष्टातून उद्धार करा – आपणास नमस्कार असो.

🔱 **श्लोक ५**

मूल संस्कृत:

धर्मेप्रीतिं सन्मतिं देवभक्तिम् ।
सत्संगप्राप्तिं देहि भुक्तिं च मुक्तिम् ।
भावासक्तिर्चाखिलानंदमूर्ते ।
घोरात्कष्टादुद्धरास्मान्नमस्ते ॥५॥

Transliteration:

Dharme pritim sanmatim devabhaktim |
Satsanga pratim dehi bhuktim cha muktim |
Bhavasaktish chakhilananda murte |
Ghorat kashtaduddhrasman namaste ||5||

हिंदी अर्थ:

हे सर्वानंद के मूर्त स्वरूप! हमें धर्म में प्रीति दीजिए, सन्मति (अच्छी बुद्धि) दीजिए, ईश्वर में भक्ति दीजिए, सत्संग की प्राप्ति दीजिए, लौकिक सुख (भुक्ति) और मोक्ष (मुक्ति) दीजिए, तथा आपके चरणों में सच्ची भावासक्ति (प्रेम और लगाव) दीजिए। हमें इस घोर कष्ट से उद्धार करें – आपको नमस्कार है।

Meaning In Marathi:

हे अखिलानंदमूर्ते! आम्हाला धर्माची आवड द्या, सन्मती द्या, देवभक्ती द्या, सत्संगाची प्राप्ती द्या, भुक्ती व मुक्ती द्या आणि आपल्या चरणी खरी भावासक्ती द्या. आमचे या घोर कष्टातून उद्धार करा – आपणास नमस्कार असो.

🔱 फलश्रुति (Phalashruti)

मूल संस्कृत:

॥ श्लोकपंचकमेतद्यो लोकमंगलवर्धनम् ॥
॥ प्रपठेन्नियतो भक्त्या स श्रीदत्तप्रियोभवेत् ॥

Transliteration:

Shloka panchakam etad yo loka mangala vardhanam |
Prapathen niyato bhaktya sa Shri Datta priyo bhavet ||

हिंदी अर्थ:

जो व्यक्ति इन पाँच श्लोकों को जो लोक का मंगल बढ़ाने वाले हैं नियमित रूप से और भक्तिपूर्वक पाठ करेगा, वह श्री दत्त भगवान का प्रिय बन जाएगा।

Meaning In Marathi:

हे पाच श्लोक जे लोकमंगल वाढविणारे आहेत, त्यांचे जो नियमितपणे व भक्तीने पठण करेल, तो श्री दत्तांचा प्रिय होईल.

रचयिता:

श्रीवासुदेवानंदसरस्वती स्वामीविरचितं घोरकष्टोद्धरण स्तोत्रम् ।। श्रीपाद राजं शरणं प्रपद्ये ।।